আজকাল

আরও সাফল্য ডিভিসি-র

আজকালের প্রতিবেদন

গত আর্থিক বর্ষের তুলনায় ২০১৯-২০ সালে ডিভিসি বিভিন্ন পরিচালনগত ক্ষেত্রে তাৎপর্যপূর্ণ উন্নতি করেছে। দামোদর ভ্যালি কর্পোরেশন বা ডিভিসি-র প্ল্যান্ট লোড ফ্যাক্টর জাতীয় স্তরের থেকে ৪.৫৩ শতাংশ বেশি অর্জন করেছে। সামগ্রিক উৎপাদনও বেড়েছে ২০১৮-১৯ অর্থবর্ষের তুলনায়। করোনা অতিমারির মধ্যেও সংস্থা তার বিদ্যুৎ উৎপাদন স্বাভাবিক রেখেছে, কখনও বাড়িয়েছে। সমগ্র দেশে বিদ্যুৎ সরবরাহের দায়িত্ব পালন করেছে। দেশের প্রথম দশটি কেন্দ্রীয় উপযোগী শক্তি উৎপাদন সংস্থার মধ্যে জায়গা করে নিয়েছে। চন্দ্রপোড়া ও কোডারমা তাপবিদ্যুৎ কেন্দ্রের বিশেষ অবদানের কারণে ২০২০ সালের আগস্টে ডিভিসি-র প্ল্যান্ট লোড ফ্যাক্টর ৬২.১৭ শতাংশে পৌঁছেছে।

Samay Paribartan
Daily English Newspaper www.samayparibartan.com

DVC achieves significant improvement in operational parameters

BY OUR CORRESPONDENT

The Damodar Valley Corporation (DVC) has achieved significant improvement in operational parameters in FY 2019-20 as compared to FY 2018-19. The Plant Load Factor (PLF) of DVC in FY 2019-20 was 60.52% which is 4.53 % higher than the national PLF of 55.99 % during the same period. The total generation has also improved. The generation in FY 2019-20 was 36998 MU compared to 36677 MU in 2018-19. All other operational parameters have also shown a marked improvement.

Amidst the pandemic, DVC has maintained a steady growth in generation and ensured reliable supply of electricity to the nation. Upto August 2020, DVC has generated 13403 MU (thermal generation) with a PLF of 52.45%.

In fact, for the month of August 2020, two DVC power stations have made it to the list of top 10 Central Sector Power Utilities in the country. They are the 1X500 MW Chandrapura TPS (placed 3rd) and 2X500 MW Koderma TPS (placed 4th) which have achieved a high PLF % of 95.25 % and 93.03 % respectively. This has helped DVC to achieve a PLF of 62.17% in the month of August 2020.

millennium post
NO HALF TRUTHS

All operational parameters of DVC show significant improvement in FY20

KOLKATA: The Damodar Valley Corporation has achieved significant improvement in operational parameters in FY 2019-20 as compared to FY 2018-19. The Plant Load Factor (PLF) of DVC in FY 2019-20 was 60.52 per cent which is 4.53 per cent higher than the national PLF of 55.99 per cent during the same period.

The total generation has also improved. The generation in FY 2019 20 was 36998 MU compared to 36677 MU in 2018-19. All other operational parameters have also shown a marked improvement.

Amidst the pandemic, DVC has maintained a steady growth in generation and ensured reliable supply of electricity to the nation. Upto August 2020, DVC has generated 13403 MU (thermal generation) with a PLF of 52.45 per cent.

For the month of August 2020, two DVC power stations have made it to the list of top 10 Central Sector Power Utilities in the country. They are the 1X500 MW Chandrapura TPS (placed 3 rd) and 2X500 MW Koderma TPS (placed 4 th) which have achieved a high PLF percentage of 95.25 per cent and 93.03 per cent respectively. This has helped DVC to achieve a PLF of 62.17 per cent in the month of August 2020.

MPOST

DVC surrenders 150 MW power in joint venture company MPL

RANCHI: Maithon Power Limited (MPL), is a joint venture company, with shareholding between Damodar Valley Corporation (DVC) (26 per cent) and Tata Power Company Limited (74 per cent) for construction of a 1050 MW (2X525MW) Power plant at Maithon in Jharkhand.

Both the units have been commissioned and are running on full capacity.

Presently DVC is availing 150 MW power out of 1050 MW from MPL through Power Purchase Agreement (PPA).

In line with the provision exists in PPA, DVC has decided to surrender full 150MW power w.e.f. September 1, 2021.

In this respect, DVC has already served a notice to MPL dated 24.08.2020 intimating the surrender of power by DVC w.e.f. September 1, 2021.

MPOST

उपलब्धि. देश के 10 थर्मल पावर प्लांटों में डीवीसी चंद्रपुरा तीसरे व कोडरमा चौथे स्थान पर

कोरोना काल में भी डीवीसी का बिजली उत्पादन बेहतर

प्रतिनिधि ▸ बोकारो थर्मल

कोरोना संक्रमण काल में भी पब्लिक सेक्टर का संस्थान डीवीसी ने बेहतर बिजली उत्पादन करते हुए अपने पीएलएफ में भी सुधार किया है. डीवीसी ने वित्तीय वर्ष 2018-19 की तुलना में वर्ष 2019-20 में पीएलएफ में सुधार के साथ बिजली का उत्पादन किया है. साथ ही पूरे देश के दस थर्मल पावर प्लांटों में डीवीसी के चंद्रपुरा एवं कोडरमा पावर प्लांट ने बेहतरीन उत्पादन के साथ तीसरे एवं चौथे स्थान पर अपनी जगह बनाने में भी सफलता हासिल की है.इस संबंध में डीवीसी के सदस्य सचिव डॉ पीके मुखोपाध्याय ने कोलकाता से पूछे जाने पर प्रभात खबर को बताया कि डीवीसी ने वर्ष 2018-19 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019-20 में ऑपरेशन पैरामीटर के साथ प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) में महत्वपूर्ण सुधार किया है. वित्त वर्ष 2018-19 में डीवीसी का राष्ट्रीय पीएलएफ 55.99 फीसदी था, जो कि वित्त वर्ष 2019-20 में 60.52 फीसदी हो गया. इस प्रकार डीवीसी का राष्ट्रीय पीएलएफ गत वर्ष की तुलना में 4.53 फीसदी अधिक है. इसी प्रकार वित्त वर्ष 2018-19 में डीवीसी ने 36,677 मेगा यूनिट बिजली का उत्पादन किया था, जो कि वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़ कर 36,998 मेगा यूनिट हो गया. कहा कि कोरोना काल में भी डीवीसी के ऑपरेशन सहित सभी व मापदंडों में भी एक चिह्नित सुधार देखने को मिला है.

बिजली की आपूर्ति में अपनी विश्वसनीयता को बरकरार रखा : कोरोना महामारी के काल में भी डीवीसी ने बिजली उत्पादन में लगातार विकास करते हुए देश को बिजली की आपूर्ति में अपनी विश्वसनीयता को बरकरार रखा है. डॉ मुखोपाध्याय ने कहा कि अगस्त 2020 तक देश के सभी थर्मल पावर प्लांटों में डीवीसी ने 13403 मेगा यूनिट बिजली का उत्पादन 52.45 फीसदी पीएलएफ के साथ किया है. अगस्त 2020 में डीवीसी के दो पावर स्टेशनों चंद्रपुरा एवं कोडरमा के 500 मेगावाट के दो यूनिटों ने देश में सेंट्रल सेक्टर पावर यूटिलिटीज के बीच तीसरे एवं चौथे स्थान पर अपने बेहतरीन पीएलएफ की बदौलत स्थान बनाने में सफलता प्राप्त की है. अगस्त माह में चंद्रपुरा का पीएलएफ 95.25 फीसदी तथा कोडरमा का पीएलएफ 93.03 फीसदी रहा और दोनों ही पावर प्लांटों की बदौलत डीवीसी का पीएलएफ 62.17 फीसदी प्राप्त करने में मदद मिली है.

एमपीएल के 150 मेगावाट बिजली को सरेंडर करेगा डीवीसी

बोकारो थर्मल. मैथन में टाटा पावर कंपनी लिमिटेड एवं डीवीसी के संयुक्त उपक्रम मैथन पावर लिमिटेड (एमपीएल) के 150 मेगावाट की बिजली को डीवीसी ने सरेंडर करने का निर्णय लिया है. यह जानकारी कोलकाता से डीवीसी के सदस्य सचिव डॉ पीके मुखोपाध्याय ने रविवार को दी. बताया कि मैथन में एमपीएल के 1050 मेगावाट (दो गुणा 525 मेगावाट) पावर प्लांट के निर्माण के लिए डीवीसी की 26 फीसदी और टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की 74 फीसदी के बीच हिस्सेदारी है. दोनों इकाइयां चालू हो गयी हैं और पूरी क्षमता से चल रही हैं. वर्तमान में पावर खरीद समझौते (पीपीए) के तहत एमपीएल के 1050 मेगावाट बिजली में से 150 मेगावाट बिजली डीवीसी ले रहा है. पीपीए में प्रावधान के अनुसार ही डीवीसी ने 150 मेगावाट पावर को सरेंडर करने का निर्णय लिया है. डीवीसी द्वारा लिया गया निर्णय 1 सितंबर 2021 से प्रभावी होगा. इस संबंध में डीवीसी ने एमपीसीएल को 24 अगस्त 2020 को एक नोटिस भेजकर पावर सरेंडर करने की सूचना दे दी है.

प्रभात खबर Mon, 07 September 2020
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/54766897